लाइट-हाउस के बच्चे

लाइट-हाउस के बच्चे

सैम और रोज समुद्र के किनारे एक लाइट-हाउस में रहते थे. उनके कोई बाल-बच्चे नहीं थे और न ही उनका कोई पास-पड़ोसी था. पर उसके बावजूद वो कभी अकेलापन महसूस नहीं करते थे. समुद्री चीलें (सी-गल्स) हमेशा उन्हें साथ देती थीं!

फिर एक दिन एक भयंकर तूफ़ान
लाइट-हाउस से आकर टकराया.
सैम और रोज को लाइट-हाउस छोड़ने
को मज़बूर होना पड़ा.

अब समुद्री चीलें उन्हें कैसे खोजेंगी?
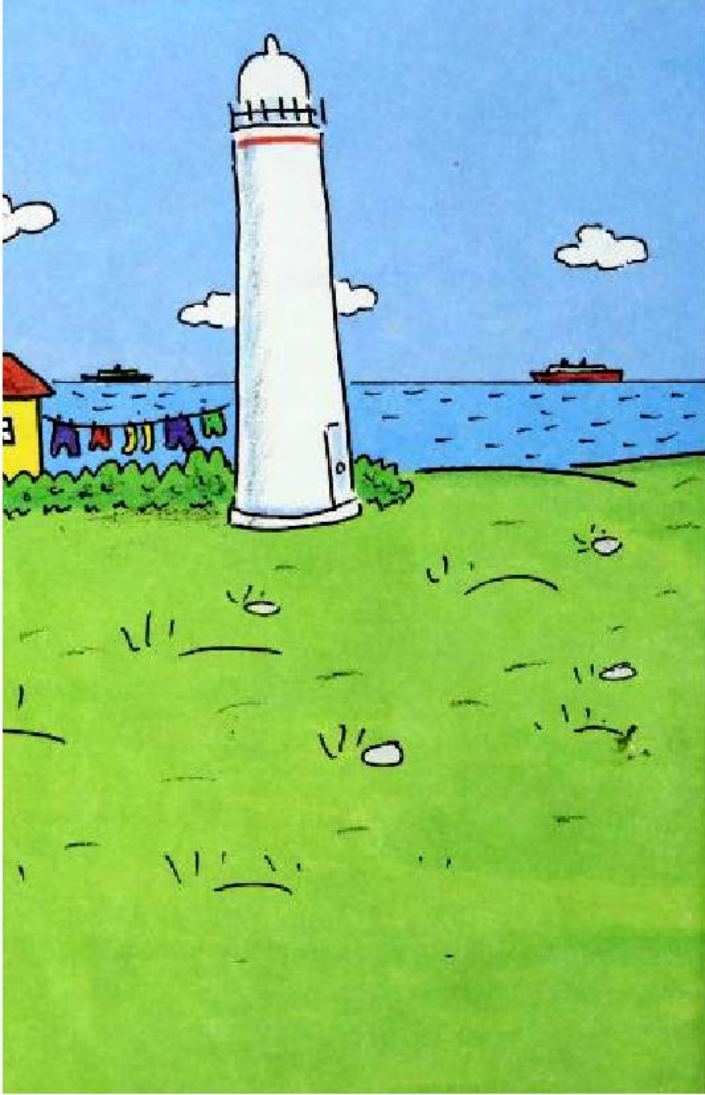
समुद्र के किनारे एक लाइट-हाउस बिल्कुल अकेला खड़ा था. एक बूढ़ा दंपत्ति उसमें रहता था. उनका नाम था सैम और रोज. वो रात के समय जहाज़ों की मदद के लिए हर रोज़ चमकीली प्रकाश की किरणें चमकाते थे.

सैम और रोज का कोई बच्चा नहीं था.

फिर भी वे कभी अकेलापन महसूस नहीं करते थे.

उनकी संगत के लिए समुद्री चीलें

(सी-गल्स) जो थीं.

वहां रोज़ाना सैकड़ों समुद्री चीलें

उड़कर आती थीं . वे वहां खाना,

और बैठने का स्थान खोजती थीं.

"ले यह खाओ, एर्नी और बर्नी," सैम ने कहा.
"यह तुम्हें पसंद आएगा, डोरा और कोरा,"
रोज ने कहा.
सैम और रोज इस
बात का पक्का इंतज़ाम करते थे
जिससे कोई भी समुद्री चील भूखी न जाये.

"ज़रा उन पत्थरों से बचकर रहना,
हेंक, फ्रैंक, मौली और डॉली!"
सैम चिल्लाया.
"ज़रा पानी से सावधान रहना,
लांनी, नैनी, हेल्गा और जेलगा!"
रोज चिल्लाई!

समुद्री चीलें उस बूढ़े दंपत्ति
से बहुत प्रेम करती थीं.
वे उनके लिए एक खास अंदाज़ में
खड़ी रहती थीं.

पर समुद्री चीलें एक स्थान पर बहुत
समय तक नहीं रह सकती थीं.
कुछ समय रहने के बाद वो पंख
फड़फड़ाकर वहां से उड़ जाती थीं.

"तुम फ़िक्र मत करो रोज," सैम ने कहा.
"हमारी समुद्री चीलें दुबारा ज़रूर वापिस आएँगी."
"मुझे पता है," रोज ने कहा.
"हम कल उन्हें फिर देखेंगे."

फिर उन्होंने प्रकाश की चमकीली किरण
समुद्र के पानी में दूर तक चमकाई.
उन्होंने तेज़ आवाज़ का भौंपू भी बजाया.
उन्होंने यह सुनिश्चित किया की समुद्र
में जहाज़ों को आने-जाने में कोई दिक्कत नहीं हो.

फिर एक रात भयानक तूफ़ान आया.

बहुत तेज़ हवा चली.

ऊंची-ऊंची लहरें उठीं और

लाइट-हाउस से आकर टकरायीं.

उससे लाइट-हाउस टूट गया.
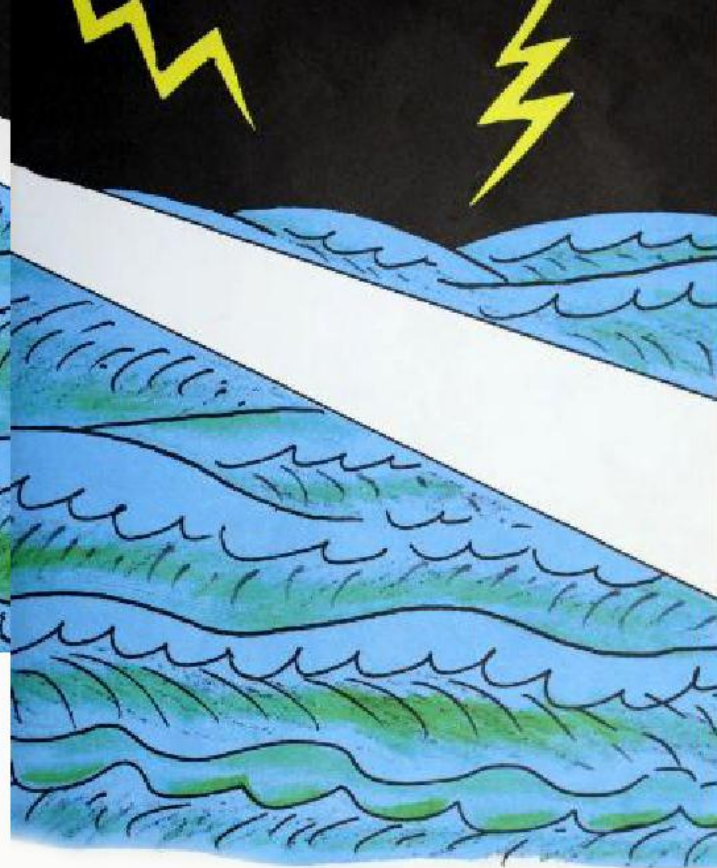
भयानक तूफ़ान ज़ारी रहा.
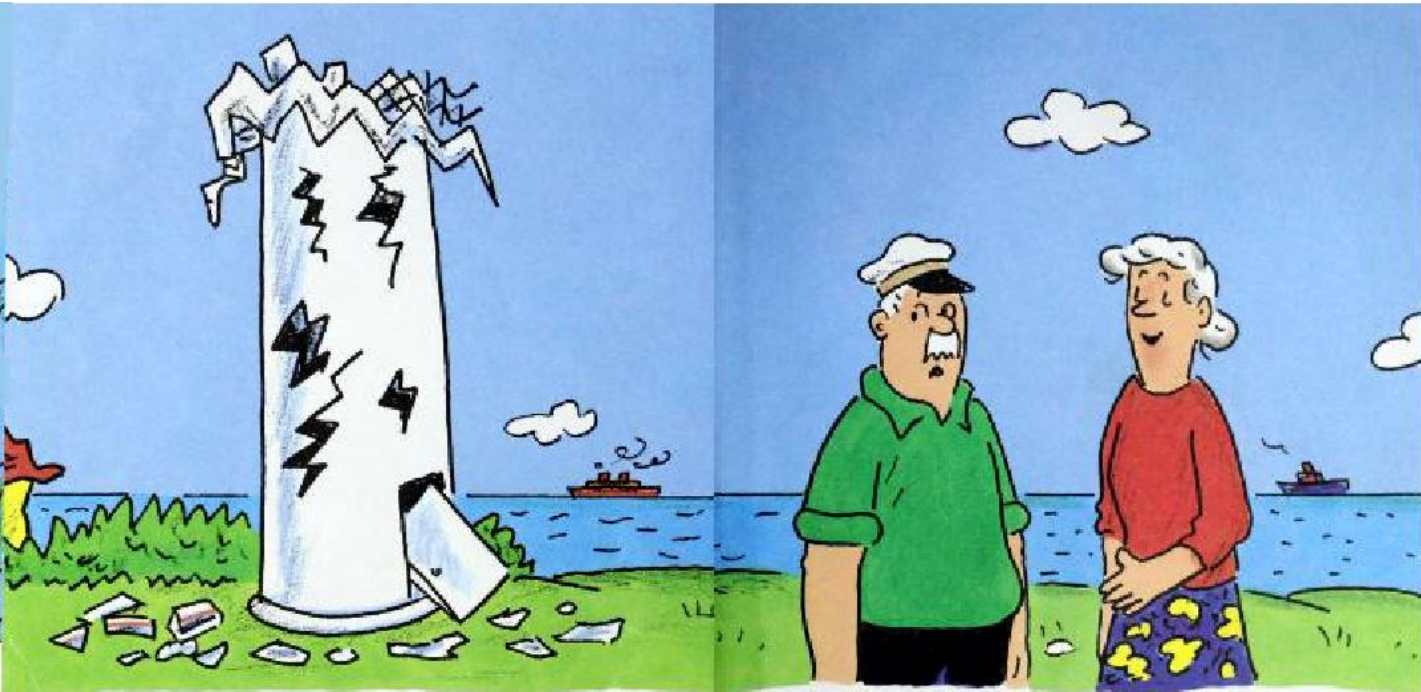
सुबह को सैम और रोज
ने लाइट-हाउस के नुकसान को देखा.
दीवारों में दरारे पड़ गईं थीं.
और उसकी छत उड़ गई थी.

"हम इसकी मरम्मत नहीं कर पाएंगे,"
सैम ने कहा.
"अब समय आ गया है लाइट-हाउस छोड़ने का,"
रोज ने कहा.
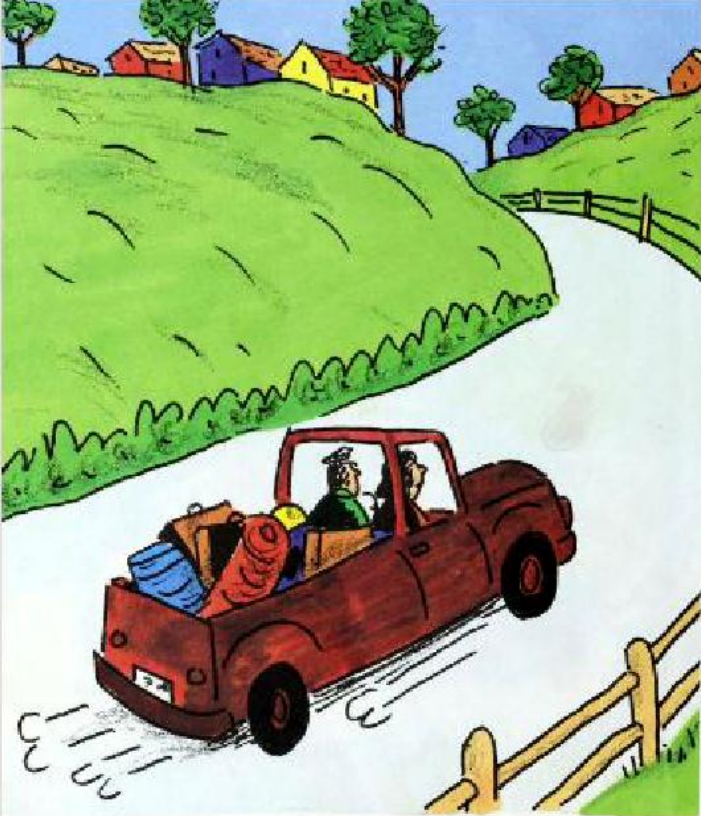
फिर उन्होंने अपना सामान बाँधा
और वहां से निकल पड़े.

समुद्र तट से बहुत दूर
उन्हें के छोटा सा "बिकाऊ" मकान दिखा.
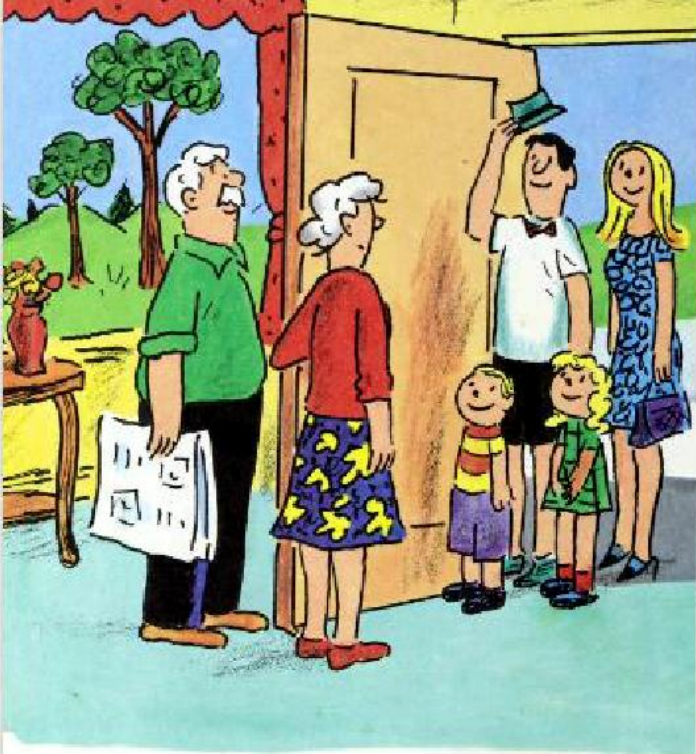
उसके आसपास हरी पहाड़ियां थीं
और ऊंचे-ऊंचे पेड़ थे.
वहां आसपास कई पड़ोसी भी थे.
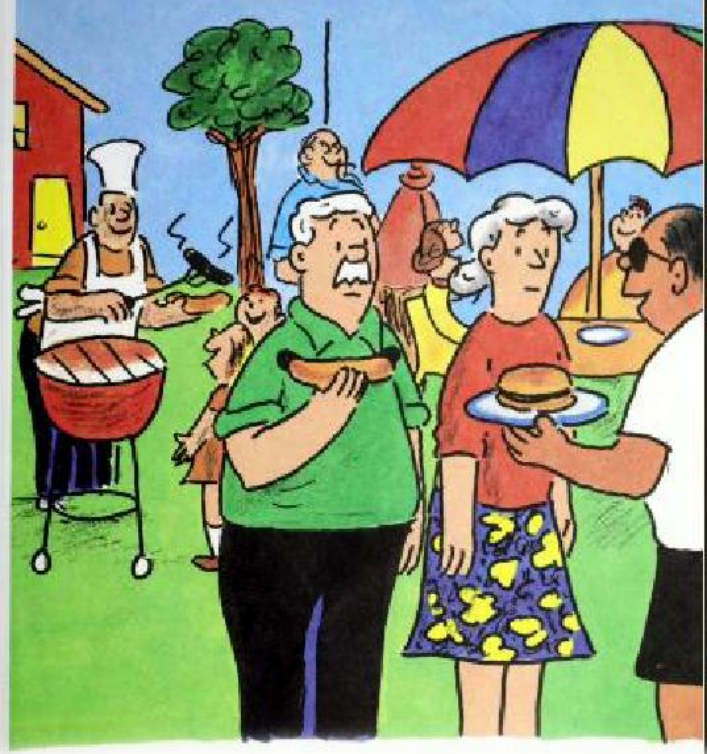
वहां पर कई पार्टियां होती थीं
और लोग अक्सर पिकनिक पर जाते थे.
इसलिए बूढ़े दंपत्ति को वहां कभी
अकेलापन महसूस नहीं हुआ.
पर उन्हें अपने समुद्री चीलों की बहुत याद आती थी.

"हमें अपनी समुद्री चीलें चाहियें,"
सैम ने कहा.
"मुझे लगा कि वो आएँगी
पर शायद हम अब उनसे बहुत दूर बस गए हैं.
वो हमें यहाँ पर ढूंढेंगी कैसे?"
"मुझे पता है कि हमें क्या करना चाहिए,"
रोज ने कहा.
"हम अपनी समुद्री चीलों को बता सकते हैं
कि हम यहाँ पर रहते हैं!"
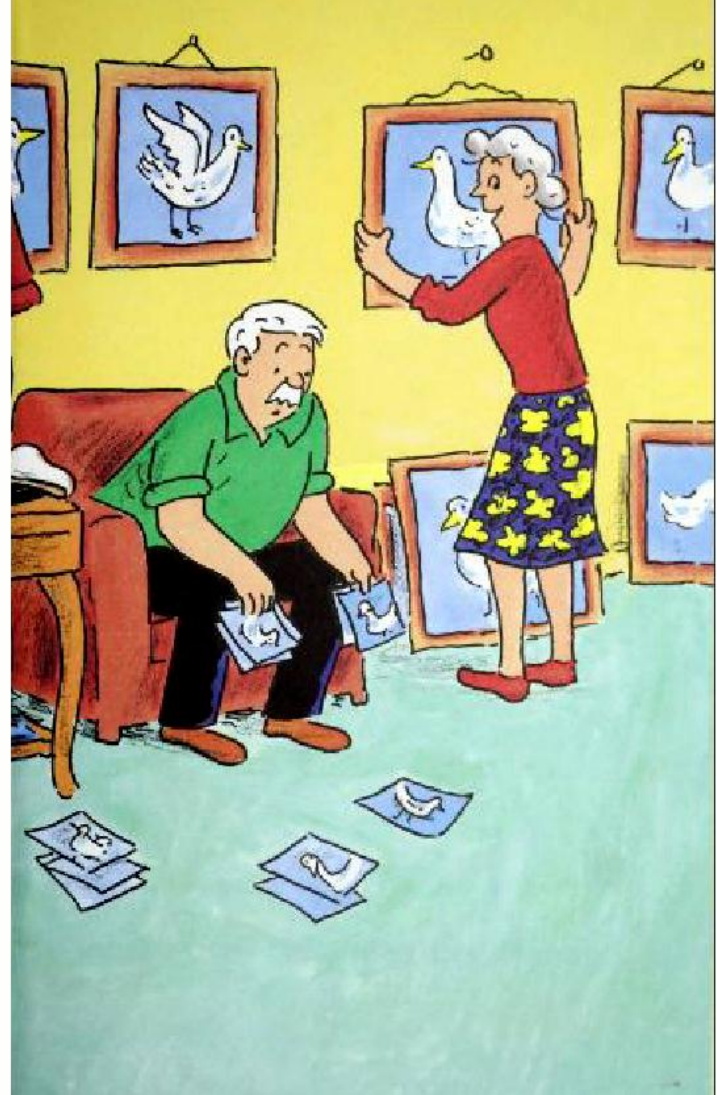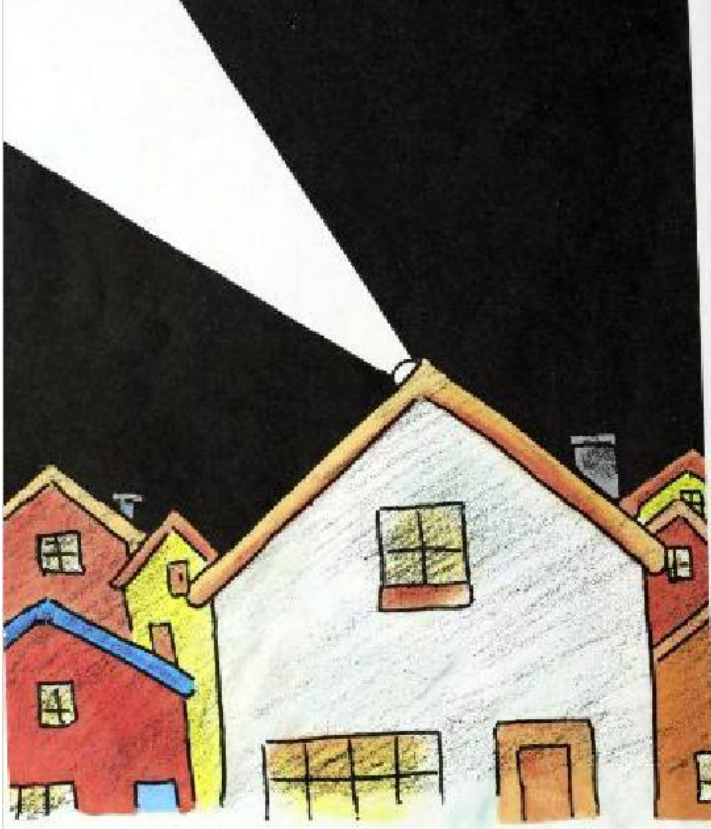
फिर बूढ़े दंपत्ति ने रात को अपने घर से
रोशनी की एक तेज़ किरण बाहर चमकाई.

ऐसा उन्होंने कई रात किया.
फिर उन्होंने कुछ दिनों तक इंतज़ार किया.
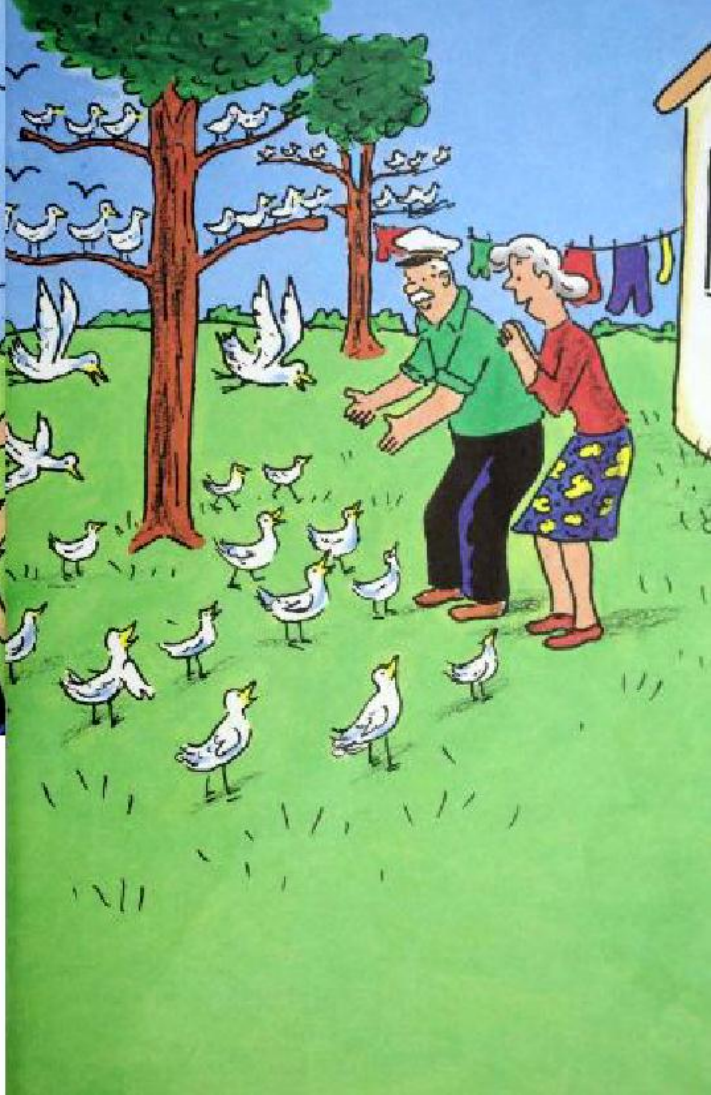
फिर एक दिन उन्हें आसमान में
समुद्री चीलें की आवाज़ सुनाई पड़ी.
सब लोग उन्हें देखने के लिए दौड़े.

"बिल, जिल, बोनी, कोनी

ऐनी और फ्रान!

हम बहुत खुश हैं कि तुमने हमें खोजा!"

सैम ने कहा.

"जैक, मैक, लेनी, हेनी, लीयूक और ड्यूक,

क्या तुम्हें हमारी याद आई?"

रोज ने पूछा.

फिर उन्होंने उन समुद्री चीलों

को खाना खिलाया.

पड़ोसिओं ने भी समुद्री चीलों को चुग्गा दिया.
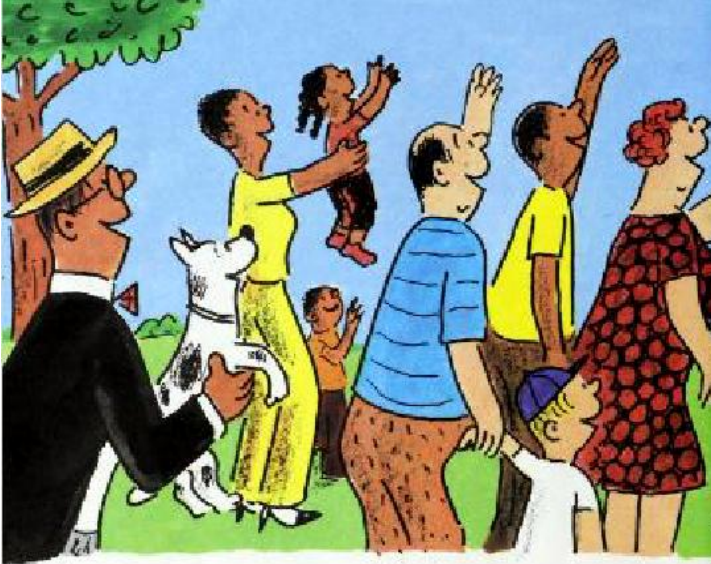
पर समुद्री चीलें कभी एक जगह पर
बहुत समय के लिए नहीं रहती हैं.
कुछ समय बाद वो पंख
फड़फड़ाकर वहां से उड़ गयीं.
"क्या समुद्री चीलें दुबारा वापिस आएँगी?"
पड़ोसियों ने पूछा.

"वो ज़रूर वापिस आएँगी!"
सैम ने कहा.
"वो हमारे लाइट-हाउस के बच्चे हैं,"
रोज ने कहा.

फिर रोज़ रात
वो बूढ़ा दंपत्ति
नियमित रूप से
प्रकाश की किरण को
चमकाना नहीं भूलता था.

समाप्त